NEW SYLLABUS

SYLLABUS

MAGADH UNIVERSITY
BODH GAYA

Courses of Study

For

B. A. PART–I

94

8.

THREE YEAR INTEGRATED DEGREE COURSE FROM SESSION ON WARDS

नोट—**NEW SYLLABUS** पुनः परिवर्त्तन किया गया है।

Price : Rs.

SYLLABUS

NEW SYLLABUS

MAGADH UNIVERSITY
BODH GAYA

Courses of Study

For

B. A. PART–I

THREE YEAR INTEGRATED DEGREE COURSE FROM SESSION ON WARDS

नोट—**NEW SYLLABUS** पुनः परिवर्त्तन किया गया है।

Price : Rs.

विषय-सूची

क्र.सं.			पृष्ठ संख्या
1.	सामान्य हिंदी (हिंदी भाषियों के लिए)	.....	3
2.	सामान्य हिंदी (अहिंदी भाषियों के लिए)	.....	4
3.	हिंदी उत्तीर्ण (पास) एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी)	.....	5
4.	स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा : प्रथम वर्ष प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी-काव्य (प्रश्नपत्र-1)	.....	6
5.	स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा : प्रथम वर्ष गद्य विधाएँ (कथा साहित्य, नाटक एवं निबंध) **(प्रश्नपत्र-2)**	.....	8
6.	अंग्रेजी	.....	9
7.	उर्दू	.....	10
8.	मैथिली	.....	11
9.	भोजपुरी	.....	11
10.	पाली	.....	11
11.	संस्कृत	.....	12
12.	प्राकृत	.....	12
13.	भूगोल	.....	13
14.	मनोविज्ञान	.....	14
15.	इतिहास	.....	16
16.	अर्थशास्त्र	.....	17
17.	दर्शनशास्त्र	.....	19
18.	राजनीति विज्ञान	.....	19
19.	समाजशास्त्र	.....	21
20.	प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति	.....	22
21.	गृह विज्ञान	.....	23

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

(कला, विज्ञान और वाणिज्य, सामान्य एवं प्रतिष्ठा तथा अहिन्दी भाषियों के लिए)

2011–2012 से प्रभावी

विशेष :

1. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के (कला, विज्ञान और वाणिज्य) विद्यार्थियों के लिए सामान्य हिन्दी (हिन्दी रचना) का 100 अंकों का और हिन्दीतर भाषियों के लिए 50 अंकों का प्रश्न-पत्र अनिवार्य है। 100 अंकों के हिन्दी रचना पत्र का उत्तीर्णांक 33 और 50 अंकों के हिन्दी रचना के उत्तीर्णांक 17 निर्धारित है।

2. वैकल्पिक भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले स्नातक पास एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी) के विद्यार्थियों के लिए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में प्रत्येक के लिए हिन्दी साहित्य का 100 अंकों का प्रश्न-पत्र निर्धारित है।

3. पास कोर्स के विद्यार्थियों के लिए तृतीय वर्ष में भी 100 अंकों का हिन्दी साहित्य का एक पत्र पढ़ना है, लेकिन सब्सिडियरी के विद्यार्थियों को यह नहीं पढ़ना है।

4. स्नातक तृतीय वर्ष में हिन्दी रचना (सामान्य हिन्दी) का पत्र नहीं पढ़ना है।

5. हिन्दी प्रतिष्ठा में प्रथम वर्ष में पत्र 1 एवं 2 तथा द्वितीय वर्ष में पत्र 3 एवं 4 पढ़ना है।

6. तृतीय वर्ष में 5, 6, 7 अनिवार्य पत्र होंगे। 8वाँ पत्र विशेष अध्ययन का होगा, जिसमें विद्यार्थी किसी एक पत्र का चयन कर सकेंगे।

हिन्दी प्रतिष्ठा के तीनों खण्डों में प्रत्येक प्रश्न पत्र 70 अंकों का होगा। लिखित परीक्षा तीन घंटे की होगी। शेष 30 अंक अतिरिक्त (विभागीय) मूल्यांकन यथा-मौखिकी, ट्यूटोरियल और संगोष्ठी आदि के लिए निर्धारित है।

प्राचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
मगध विश्वविद्यालय

संशोधित नवीन पाठ्यक्रम

स्नातक प्रथम वर्ष

हिन्दी रचना (सामान्य हिंदी) हिंदी भाषियों के लिए

(कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 100**

(क) पाठ्य-पुस्तकों से आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 12 = 36 अंक
(ख) व्याख्या	:	3 × 8 = 24 अंक
(ग) निबंध	:	1 × 15 = 15 अंक
(घ) व्याकरण	:	3 × 5 = 15 अंक
(ङ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
		योग = 100 अंक

निर्धारित पुस्तक एवं पाठ्यांश : कविता-कानन–सं. डॉ. देवदत्त राय।

पाठ्यांश :

विद्यापति : बड़ सुख सार पाओल तु तीरे, नव वृंदावन, नव नव तरु गन।

कबीर : कौन ठगवा नगरिया लूटल हो, भगति बिनु बिरथे जनम गयो।

सूरदास : निस दिन बरसत नैन हमारे। ऊधो, मोहि ब्रज बिसरत नाहिं।

तुलसी : मन पछतइहें अवसर बीते। यह विनती रघुवीर गोसाईं।

बिहारी : नहिं पराग नहिं मधुर मधु, पत्रा हीं तिथि पाइयै,
चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों, करी बिरह ऐसी तऊ,
मोहन मूरति स्याम की, कनक-कनक तैं सौगुनी,
त्यों त्यों प्यासेई रहत, अधर धरत हरि कैं परत,
कहलाने एकत बसत, समै समै सुंदर सबै।

रसखान : खंजन नैन फँदे पिंजरा, कान्ह भये बस बाँसुरी के।

साहित्यधारा—सं. डॉ. शिवाजी नाले / डॉ. इरेश स्वामी-प्रकाशक-ओरिएंट लांगमैन, पटना

पद्य—कबीर, रहीम, बिहारी, मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर'

गद्य—प्रेमचंद (पूस की रात), चिरंजीत (अखवारी विज्ञापन), हरिशंकर परसाई (समय काटने वाले), रामवृक्ष बेनीपुरी (बुधिया), महादेवी वर्मा (सबिया)।

निबंध लेखन—छात्र जीवन, राजनीति, प्रकृति, महापुरुष, युद्ध, शांति, रोजगार, शिक्षा पद्धति, खेल, चलचित्र, रेडियो, विज्ञान, साहित्य आदि से सम्बन्धित निबंध)।

व्याकरण—उपसर्ग, प्रत्यय, वाक्य संशोधन, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, संक्षेपण, पल्लवन, पत्र-लेखन।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—हिन्दी रचना के पाठ्य क्रम पर आधारित होंगे।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1.	आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना	— डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद
2.	व्याकरण भास्कर	— डॉ. वचन देव कुमार
3.	हिन्दी शब्दानुशासन	— आचार्य किशोदीदास वाजपेयी
4.	राष्ट्रभाषा हिन्दी और व्याकरण	— डॉ. जितेन्द्र वत्स
5.	हिन्दी निबन्ध	— आचार्य निशांतकेतु

6. हिन्दी निबन्ध — डॉ.राजनाथ शर्मा
7. आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ — डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा'
8. हिन्दी साहित्य : संवेदना का विकास — डॉ. राम स्वरूप चतुर्वेदी
9. हिन्दी के प्राचीन कवि — डॉ. राम प्यारे तिवारी
10. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि — डॉ. श्री निवास शर्मा ।

स्नातक प्रथम वर्ष

सामान्य हिंदी (हिन्दी रचना) अहिंदी भाषियों के लिए

(कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)

समय : 1½ घंटे] [पूर्णांक : 50

अंक-विभाजन

(क) पाठ्य-पुस्तकों से प्रश्न : 2 × 10 = 20 अंक
(ख) निबंध लेखन : 1 × 15 = 15 अंक
(ग) व्याकरण एवं रचना : 3 × 5 = 15 अंक

योग = 50 अंक

(क) निर्धारित पुस्तक एवं पाठ्यांश : काव्य-माधुरी–सं. डॉ. जितेन्द्र वत्स ।

पाठयांश : 1. कबीर की निम्नलिखित साखियाँ :

1. गुरु गाविंद तौ एक हैं
2. सतगुर मेरा सूरिबां
3. पांसा पकड़ा प्रेम का
4. चकई बिछुरी रैन की
5. बिरह भुवंगम तन बसै
6. बहुत दिनन की जोबती
7. यहु तन जारौं मसि करौं
8. परवति परवति मैं फिरा
9. मन मथुरा दिल द्वारिका
10. कबीर लहरि समंद की ।

2. तुलसी के निम्नलिखित पद :
   1. मन पछतइहें अवसर बीते
   2. केसव ! कहि न जाइ का कहिये ।
3. रहीम के निम्नलिखित पद :
   1. जो 'रहीम' ओछो बढ़ै
   2. 'रहिमन' सूधी चाल सों
   3. जो बड़ेन को लघु कहौ
   4. कहि 'रहीम' संपति सगे
   5. जे 'रहीम' विधि बड़ किए
   6. धनि 'रहीम' जल पंक को
   7. 'रहिमन' वे नर मर चुके
   8. पावस देखि रहीम मन
   9. मान सहित विष खायके
   10. कदली, सीप, भुजंग-मुख
   11. खैर, खून, खाँसी, खुसी ।
4. भारतेन्दु–भारत-दुर्दशा ।
5. माखनलाल चतुर्वेदी–बदरिया थम-थम कर झर री ।
6. सुभद्रा कुमारी चौहान–बचपन ।
7. पं. रामनरेश पाठक–हम न बोलेंगे ।

अथवा, हिन्दी गद्य-पद्य संग्रह—सं. डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह-प्रकाशक-ओरिएंट लौंगमेन प्राइवेट लिमिटेड, पटना ।

काव्य—कबीर, रैदास, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, भारतेन्दु ।

गद्य—सद्गति (प्रेमचंद), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी), बाबर की ममता (देवेन्द्रनाथ शर्मा), ठेले पर हिमालय (धर्मवीर भारती), रूपा की आजी (बेनीपुरी) ।

व्याकरण एवं रचना : पाठ्यांश—संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, वाक्य-संशोधन ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना — डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद
2. व्याकरण भास्कर — डॉ. वचनदेव कुमार
3. शुद्ध हिन्दी — डॉ. विजय पाल सिंह
4. हिन्दी व्याकरण — डॉ. सुधांशु कुमार नायक
5. हिन्दी व्याकरण और रचना — डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह ।

स्नातक प्रथम वर्ष

हिंदी उत्तीर्ण (पास) एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी)

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 100

अंक-विभाजन

(क) आलोचनात्मक प्रश्न : 3 × 15 = 45 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न : 3 × 10 = 30 अंक
(ग) लघु उत्तरीय प्रश्न : 3 × 5 = 15 अंक
(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 10 × 1 = 10 अंक

योग = 100 अंक

संस्तुत पुस्तक : काव्य-कुसुम : सं.–डॉ. रामशकल बिंद ।

पाठ्यांश : मध्यकालीन हिंदी काव्य (खण्ड–'क')

1. विद्यापति के निम्नलिखित पद : 1. माधव कत तोर करब बड़ाई 2. तातल सैकत वारि विंदु सम 3. सखि हे हमर दुखक नहीं ओर 4. आएल रितुपति राज वसंत, 5. कखन हरब दुख मोर ।
2. सूरदास के निम्नलिखित पद : 1. चरण कमल बंदौं हरि राई 2. प्रभु मेरे अवगुन चित्त न धरौं 3. जसोदा हरि पालने झुलावै 4. कर पग गहि अँगुठा मुख मेलत 5. निरगुन कौन देस को बासी 6. आँखिया हरि दरसन की भूखी ।
3. तुलसीदास के निम्नलिखित पद : 1. अवधेश के द्वारे सकारे 2. कबहूँ ससि माँगत आरि करै 3. वर दंत की पंगति कुंद कली 4. बैठी सगुन मनावत माता 5. मन पछतइहें अवसर बीते ।
4. बिहारी के निम्नलिखित दोहे : 1. मेरी भवबाधा हरौ 2. सनि कज्जल चख झख, 3. लाज लगाम न मानहिं 4. बतरस लालच लाल की 5. कहत नटत रिझत खिझत 6. भूषन भार संभारिहैं 7. या अनुरागी चित्त की 8. तंत्री-नाद कवित्त रस 9. अजौ तरौना ही रह्यो 10. अलि इन लोयन को कछु ।
5. घनानंद के निम्नलिखित पद : 1. नेही महा ब्रजभासा प्रवीन 2. प्रेम सदा अति ऊँचो लहै 3. रावरे रूप की रीति अनूप 4. अति सूधो सनेह को मारग है 5. परकाजहि देह को धारि फिरौ 6. जिनको नित नीके निहारत हौं ।

गद्य सरित्—(कहानी, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र) सं. डॉ. सुनील कुमार–हिन्दी विभाग, म. वि. बोधगया ।

पाठ्यांश : कहानी—उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), कहानी का प्लॉट (आचार्य शिव पूजन सहाय), पूस की रात (प्रेमचंद), अमृतसर आ गया है (भीष्म साहनी), कला रजिस्टर (रवीन्द्र कालिया) ।

निबन्ध—(क) उत्साह — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(ख) शिरीष के फूल — ह. प्र. द्विवेदी
(ग) लंका की एक रात — कुबेरनाथ राय
संस्मरण एवं रेखाचित्र—घीसा — महादेवी
सुभान खाँ — बेनीपुरी
दद्दा — सुभद्रा कुमारी चौहान ।
अभिस्तावित ग्रंथ—1. कबीर — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास — सं. डॉ. हरवंश लाल शर्मा
3. तुलसीदास — डॉ. वासुदेव सिंह
4. जायसी — डॉ. रामपूजन तिवारी
5. बिहारी का नया मूल्यांकन — डॉ. बच्चन सिंह
6. हिन्दी के कृष्णभक्ति काव्य में मधुर भाव की उपासना—डॉ. पूर्णमासी राय
7. जयशंकर प्रसाद — सं. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. त्रयी — आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री
9. साठोत्तरी हिन्दी कविता परिवर्तित दिशाएँ — डॉ. विजय कुमार
10. निबंध : स्वरूप और मूल्यांकन — डॉ. चन्द्र प्रकाश मिश्र
11. हिन्दी गद्य की नई विधाएँ — डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया ।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा : प्रथम वर्ष

मध्यकालीन काव्य (भक्ति एवं रीतिकाव्य)

समय : 3 घंटे] प्रश्नपत्र–1 [पूर्णांक : 70

अंकों का विभाजन :

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 12 = 36 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 × 8 = 24 अंक
(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
		योग = 70 अंक

निर्देश–प्रत्येक खंड से कुल मिलाकर किन्हीं तीन प्रश्नों एवं तीन व्याख्याओं के उत्तर देने हैं ।

निर्धारित पुस्तक : काव्य-कलश—सं. डॉ. देवदत्त राय ।

पाठ्यांश :

1. **कबीर–निम्नलिखित पद—**
   1. दुलहनी गावहु मंगलचार 2. मन लागा राम फकीरी में 3. एक अचम्भा देखा रे भाई 4. संतों भाई आई ग्यान की आँधी रे 5. झीनी-झीनी बीनी चदरिया 6. माया महा ठगिनी हम जानी 7. संतों ई मुरदन के गाऊँ 8. मन न रंगाए, रंगाए जोगी कपरा 9. राम सुमिरि पछताएगा 10. घूँघट का पट खोल रे 11. हरि बिनु बैल बिराने होइहैं 12. रस गगन में अजर झरै 13. अब मन जागत रहु रे भाई ।
2. **जायसी**–पद्मावत का 'मानसरोदक' खण्ड ।
3. **तुलसीदास**–रामचरितमानस के 'उत्तराकाण्ड' दोहा संख्या 115 से 130 तक ।
4. **मीराबाई–निम्नलिखित** ५द—1. मेरे तो गिरिधर गोपाल 2. हे री मैं तो दरद दिवानी 3. बसो मेरे नैनन में नंदलाल 4.फागुन के दिन चार 5. मतवारो बादल आयो रे 6. आली

रे मेरे नयनन बान परी 7. पग घुंघरू बाँध मीरा नाची रे 8. सिरी गिरिधर आगे नाचूँगी 9. सुनि हौं मैं हरि आवन की आवाज 10. दरस बिन दुखन लागे नैन 11. माई मैं लियो रमैया मोल ।

5. **बिहारी–निम्नलिखित** दोहे—1. सीस मुकुट कटि काछनी 2. भृकुटी मटकनि पीत पट 3. जिन दिन देखे वे कुसुम 4. चटक न छाँड़तु घटत 5. कनक-कनक ते सौ गुनी 6. को छूटयों एहि जाल परि 7. समय-समय सुंदर सबै 8. जौ चाहत चटक न घटै 9. संगति सुमति न पावहिं 10. दीरघ साँस लेहि दुःख 11. एहि आसा अटक्यो रहत 12. स्वारथ सुकृत न श्रम बृथा 13. इस दुखिया अँखियान कौं 14. जब-जब वे सुधि कीजिए 15. छिपयो छबिली मुख लसै 16. जप माला छापा तिलक 17. यही बिरिया नहिं और की 18. भजन कह्यो तातैं भज्यो 19. अधर धरत हरि कै परत 20. कर समेटि कच भुज उलट 21. करौ कुबत जगु कुटिलता ।

अथवा, मध्यकालीन हिन्दी काव्य—सं. डॉ. चंदू लाल दूबे, प्र. पूर्णिमा प्रकाशन, धारवाड़ ।

खण्ड–'क'

1. **कबीर** (कुल 5 पद)—जानहु रे नर सोबहु कहा, हरि मोरा पिउ, एक निरंजन अलह मेरा काहे रे नलिनी, चलन-चलन सबको कहते है ।
2. **साखी**—(प्रारंभ से दस साखियाँ)
   जायसी—पद्मावत—केवल गोरा बादल खंड
   सूर—अविगत गति कछु कहत न आवै, अब हौं नाच्यौ बहुत गुपाल, जसोदा हरिपालने झुलावै, बूझत स्याम कौन तू गोरी, चरन कमल बंदौं, मधुबन तुम कत रहत हरे ।
   तुलसीदास—रामचरित मानस—अयोध्याकांड (राम वन गमन प्रसंग)
   बिहारी—भक्ति परक दोहे–शृंगार परक दोहे ।

आलोचनात्मक प्रश्न के लिए निम्नांकित इकाइयों में अध्ययन अपेक्षित है—

इकाई 1 : (i) भक्ति आंदोलन की पूर्व पीठिका
(ii) हिन्दी भक्ति काव्य का विकास
(iii) भक्ति काव्य की विविध धाराएँ

इकाई 2 : कबीर—(i) कबीर की रचनाएँ
(ii) कबीर की सामाजिकता ।
(iii) कबीर की दार्शनिकता

इकाई 3 : जायसी—(i) जायसी का काव्य परिचय
(ii) पद्मावत में सूफी तत्व
(iii) मानसरोदक/गोरा बादल खंड का काव्य सौंदर्य

इकाई 4 : सूरदास—(i) सूर की रचनाएँ
(ii) सूर का वात्सल्य वर्णन एवं सख्य भाव
(iii) सूर की काव्य-कला

इकाई 5 : तुलसीदास—(i) तुलसीदास की रचनाओं का परिचय
(ii) रामचरितमानस की महत्ता
(iii) अयोध्याकांड 'मानस' की हृदयस्थली

इकाई 6 : (i) रीति सिद्ध कवि के रूप में बिहारी
(ii) बिहारी का शृंगार-वर्णन
(iii) बिहारी की काव्य कला ।

अभिस्तावित ग्रंथ : 1. कबीर — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर की खोज — डॉ. राज किशोर
3. जायसी — विजयदेव नारायण साही
4. सूर साहित्य — आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. गोस्वामी तुलसीदास — आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. मध्यकालीन स्वच्छंद काव्य धारा — डॉ. मनोहर लाल गौड़
7. बिहारी — आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. रीति काव्य की भूमिका — डॉ. नगेन्द्र
9. मध्यकालीन हिन्दी साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी—डॉ. सुनील कुमार ।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा : प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र–2

गद्य विधाएँ (कथा साहित्य, नाटक एवं निबंध)

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 70**

अंक-विभाजन

(क) आलोचनात्मक प्रश्न	:	3 × 12 = 36 अंक
(ख) व्याख्यात्मक प्रश्न	:	3 × 8 = 24 अंक
(ग) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 × 1 = 10 अंक
		योग = 100 अंक

पाठ्यांश :

1. **उपन्यास** — 1. चित्रलेखा—भगवती चरण वर्मा
   अथवा 2. जुलूस—फणीश्वरनाथ रेणु ।
2. **नाटक**—चन्द्रगुप्त—जयशंकर प्रसाद
3. **गद्य तरंग**—सं. डॉ. सुनील कुमार
   कहानी—सद्गति, कानों में कँगना, शरणदाता, मलवे का मालिक, चीफ की दावत
   निबंध—हंस का नीर—क्षीर विवेक, आचरण की सभ्यता, शिरीष के फूल, आँगन का पंछी ।

आलोचनात्मक प्रश्न :

इकाई : 1. (क) हिन्दी गद्य विधाओं का विकास (ख) हिन्दी कहानी का संक्षिप्त रूपरेखा (ग) हिन्दी निबंध का सामान्य परिचय (घ) हिन्दी उपन्यास की संक्षिप्त रूपरेखा ।
इकाई : 2. चित्रलेखा—(क) कथावस्तु, (ख) चरित्र चित्रण, (ग) उद्देश्य (घ) भाषा शिल्प ।
जुलूस—(क) कथावस्तु, (ख) चरित्र चित्रण, (ग) उद्देश्य, (घ) भाषा शिल्प ।
इकाई : 3. चन्द्रगुप्त—(क) वस्तु, (ख) नेता, (ग) रस ।
इकाई : 4. पठित निबंधों एवं कहानियों का कलात्मक वैशिष्ट्य ।

1. हिन्दी उपन्यास — रामदरश मिश्र
2. हिन्दी उपन्यास — शिल्प और प्रयोग—डॉ. त्रिभुवन सिंह
3. हिन्दी हानी प्रक्रिया और पाठ — डॉ. सुरेन्द्र चौधरी
4. हिन्दी नाटक — डॉ. बच्चन सिंह
5. एकांकी और एकांकीकार — डॉ. रामचरण महेन्द्र
6. निबंध सिद्धांत और प्रयोग — डॉ. हरिहरनाथ द्विवेदी
7. हिन्दी गद्य की नई विधाएँ — डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया ।

B. A. PART–I : ENGLISH (HONS.)

Time : 3 hours] **PAPER–I** **[Full Marks : 100**

1. History of English Literature from Elizabethan age Victorian age. 17½ × 4 = 70
2. History of English Language 15 × 2 = 30
   (a) Dislect of Middle English (b) Word Formation (c) Borrowings.

Time : 3 hours] **PAPER–II** **[Full Marks : 100**

Chaucer : Nun's Prefst's Tale, **Donne :** Death be not proud, Go and catch a falling star, **The Sun Rising, Milton :** Lycidas, **Pope :** Rape of the Lock, **Coleridge :** The Ancient Mariner, **Arnold :** The Scholar Gypsy

Distribute of marks :

Explanation (4 out of 8)	7½ × 4 = 30
Critical questions (4 out of 8)	15 × 4 = 60
Alternative questions to be set Prosody	10

B. A. PART–I : ENGLISH (GENERAL COURSE)

Time : 3 hours] **[Full Marks : 100**

1.	**The New Golden Treasury**		**Motilal Banarsidass**
	1. Shakespeare	:	All the World is A Stage
	2. Donne	:	Death Be Not Proud
	3. Milton	:	On His Blindness
	4. Pope	:	A little learning
	5. Blake	:	The Tiger
	6. Wordsworth	:	The word is too much with us
	7. Shelley	:	Ode to the west wind
	8. Keats	:	Le Belle Darue Sans Merci
	9. Tennyson	:	Tears Idle Tears
	10. Auden	:	Look Stranger
2.	Shakespeare	:	Twelfth Night
3.	The literary Heritage	:	A New Authology of Prose and short Story (Motilal Banarsidass)

Pieces Prescribed

1. Challenge of our Time, 2. Unity of Indian Culture, 3. Truth and Ahimsa 4. Sparrows, 5. Mr. Know All 6. The Cows of the Barricades

Distribution of Marks :

1. Explanation from poetry selection Two out of four 7½ × 2 = 15
2. Critical question one from poetry selection one from Drama and one from prose selection with alternative choices. 20 × 3 = 60
3. **Grammar Items :** Correction 5 marks, Phrases 10 marks, Pair of words 5 marks, Synonym or Antonym 5 marks. 25

B. A. PART–I : ENGLISH (SUBSIDIARY)

PAPER–I

Books Prescribed

1.	**The Golden Treasury**		Motilal Banarsidas
	1. Herbert	:	Love

2.	Milton	:	On His Blindness
3.	Pope	:	A little Learning
4.	Words worth	:	A Slumber Did My Spirit Seal
5.	Keats	:	Ode to a Nightingale
6.	Shelley	:	Ode to the West Wind
7.	Tenny Son	:	Break, Break, Break
8.	Hopkine	:	God's Grandeur
9.	Auden	:	Look Stranger
2.	Shakespeare	:	The Me chant of Venice
3.	The literary Hiritage	:	An New anthology of Prose and Short Story.

1. Indian Again 2. Life's Philosophy 3. On Being a Bore 4. The Country of the Blind. 5. The Postmaster 6. The Selfish Giant

Distribution of marks

1. Six explanations to be set (Two from each of the tree books). Three answers to be Attempted. $8 \times 3 = 24$
   Three questions to be answered one each from the three books. $20 \times 3 = 60$
   Precis of a Passage. 16

B. A. PART–I : ENGLISH (COMPOSITION)

Time : 1½ hours] **[Full Marks : 50**

1. English composition 50 marks Sc/Com.
2. English composition 50 marks Arts.
3. G-I-E composition 50 marks Sc/Com.
4. G-I-E composition 50 marks Arts.

Books prescribed

1. The literary Heritage :
   A New Anthology of Prose and Short Story—Motilal Banarsidass
   1. The Purlioned letter 2. The Doll's House 3. An Antrologer's Day. 4. A Golden Deer. 5. The Monkey's Paw.
2. Mac Flecknoe

Distribution of marks :

1. One critical question from Mac Fiecknoe and one from prose and story Anthology Alternative choices to be given. $15 \times 2 = 30$
2. Precis of passage. 20

B. A. PART–I : URDU (GENERAL COURSE)

PAPER–I **[Full Marks : 100**

1. Parada-e-Ghaflat–Dr. Abid Husain. **2. Sharifzada**–Hadi Ruswa **3. Akhari Topha**–Premchand **4. Shaoors**–Adab Makhtabi Jamia Serial No. 6 to 9.

URDU (Language)

PAPER–I **[Full Marks : 100**

1. Essay 30. 2. Grammar 20, Mohavrat Jins Azada Zurbur 3 Adbiya by Prof. Wassey & Hasham Page 6 to 58. Poetry page 142, 161 to 170.

URDU (Hons.)

PAPER–I **Prose** **[Full Marks : 100**

Books Prescribed (Each book carries 25 marks)

1. Urdu Ki ibtadia Nashw-o-Numa. Men sufiyac Karam-ki-Hiso Dr. Abul Haque. **2. Bagh-o-Bahar**–Meer Amman. **3. Taubatun Na soon**–Nezeer Ahmad. **4. Wardaat**–Prem Chand.

PAPER–II **Poetry** **[Full Marks : 100**

1. Intakhab-e-Seraj Decient–Ed Rasheed Husain Khan. **2. Diwan-e-Dard**–Dehlavi Do. **3. Intakab-e-Ashare-Momin**–Prof Abdul Maman Bedil **4. Rooh-e-Anees** Ed by Masood Husain Rizvi.

URDU (Subsidiary Paper)–Prose

1. Parda-e-Ghaflat–A Husain. **2. Umron-Jun-e-Ada**–Ruswa. **3.** Tanquidee Mazemeen Eqbal **4.** Shacor-e-Adad (first Five item).

B. A. PART–I : URDU (Composition) [Marks : 50

There shall be half paper of Urdu composition and shall carry 50 marks. This paper along with Hindi composition of 50 marks shall be of three hours durations.

Distribution of Marks :

(a) Summary and substances of text prescribed 30 marks.

(1) Question of marks each one from prose selection and one from poetry selection will be compulsory.

(b) Essay 10 (c) Grammer (Adab Lins Mohavrat 1 marks)

Books Prescribed : (a) Samaya-e-Adab by Prof. Mumtaz Ahmad Dr. Aslare Azad, Dr. Jail Arshad, Dr. Israil Raza.

(b) Tarz-e-Nigarish by Sachidanandan Sinha.

प्रथम-पत्र **अनिवार्य भाषा मैथिली** पूर्णांक : 50

पाठ्य से परिचयात्मक प्रश्न–20; आशय–10, व्याकरण और रचना–10; निर्धारित पाठ्य ग्रंथ : (1) पथ हरथि राधा–श्री शैलेन्द्र मोहन झा (2) आशा दिशा–श्री चन्द्रनाथ मिश्र 'अपश'

प्रथम-पत्र **भोजपुरी रचना** पूर्णांक : 50

निर्धारित पाठ्य पुस्तक के प्रश्न एवं व्याख्या–20; निबंध–20; मुहावरा, कहावत–10; पाठ्य पुस्तक : (1) बाबली–श्री गणेशदत्त किरण (प्रथम दस छन्द) अथवा, राग अनसाइल–अवकाश चन्द्र विद्यार्थी (2) पाठ्य वेचावनी गीत रे, सोनी, फिर पठत के होई का, अन्हड़ आई बनि जा कल, तरूआत, कोल्हू के बैल, अउर अखिया । अथवा, सीता के लाल–कुंज बिहारी कुंजन ।

प्रथम-पत्र **पाली (Pass Course)** पूर्णांक : 100

अंक-विभाजन–आलोचनात्मक प्रश्न–40 अंक, पठित अंशों से व्याकरण–20 अंक, अनुवाद–20 अंक, टिप्पणी–20 अंक ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें : (1) सुप्तसंग्रहो–सं. डॉ. ब्रजमोहन पांडेय नलिन, पठनीय सुनेन महाफिनी खात सुत (2) सच्चासंग्रहो–स. भदन्त आनन्द कौशल्यायन ।

पाली (Subsidiary)

(1) सुत्त संग्रहो–मोतीलाल बनारसी दास, पटना । पठतो सुत पठिनिव्वान सुत–महासतिपद्यन सुत (2) धम्म पद (प्रथम पाँच बग्गा)–मोतीलाल बनारसी दास–आलोचनात्मक प्रश्न–40 अंक, अनुवाद–25 अंक, व्याख्या–25 अंक, टिप्पणी–10 अंक ।

समय : 3 घंटा **पाली (Hons.) प्रथम-पत्र** पूर्णांक : 100

(1) सुत्त खड़हो–ब्रजमोहन पांडेय नलिन, पठनीय सुत्त, प्रह्लाद सुत्त, अम्बसुत्त, महापरिनिवान सुत्त (2) सच्चसंग्रहो–स. भदन्त आनन्द कौशल्यायन ।

समय : 3 घंटा **द्वितीय-पत्र** पूर्णांक : 100

(1) सुत्त संग्रहो–स. ब्रजमोहन पांडेय 'नलिन', पठनीय अंश–महाराहुलोवाद सुत्त, मूल परिनिवान सुत्त, समाबिठठ सुत्त, वत्स सुत्त । (2) सुतनिपात (अट्टक बग्गा)–स. उ. धप्र तक्षित ।

B. A. PART–I : संस्कृत (पास कोर्स एवं अनुपूरक)

प्रथम-पत्र

(1) (क) काव्य–गद्य शिवराज विजय (प्रथम निवास) अथवा, अमर भारती–10 अंक । (ख) गद्य मेघदूत (पूर्वमेघ)–40 अंक, श्लोक पर्यन्त–30 अंक । (ग) नाटक–अभिज्ञान शाकुन्तलम् अथवा, मालविकाग्निमित्त–30 अंक, प्रत्येक से आलोचनात्मक प्रश्न–12 अंक, एक अनुवाद–8 अंक, व्याकरण–10 अंक ।

(2) वाक्य-रचना तथा पत्र-लेखन : (क) वाक्य रचना कारक प्रक्रिया पर आधारित–10 अंक, (ख) पत्र-लेखन–10 अंक ।

संस्कृत (Hons.) प्रथम-पत्र

(क) संस्कृत साहित्य का इतिहास (लौकिक) पाठ्यांश–रामायण, महाभारत, पुराण, महाकाव्य और नाटक । गद्य काव्य–कथा-साहित्य, गीत काव्य, चन्दुस्तोत्र काव्य-शास्त्र (ख) व्याकरण कारण (मध्य सिद्धान्त कौमुदी)–25 अंक ।

पद्य काव्य **द्वितीय-पत्र** पूर्णांक : 100

(1) मेघदूत (पूर्व मेघ) 2. किरात्तार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) (3) रघुवंश (त्रयोदश सर्ग शिशुपाल वध (प्रथम सर्ग) ।

प्राकृत (सामान्य कोर्स)

कहाणन अट्टंग–डॉ. राजाराम जैन एवं चन्द्रदेव राम ।

स्वीकृत पाठ–(1) सौलबई चरियं (2) बारबई विलासी (3) गोडला पिओकरकंडू चाणक्य, चन्द्रगुप्त, कहाणय । अंक विभाजन–व्याख्या–40 अंक, अनुवाद–20 अंक, प्रश्नोत्तर–40 अंक ।

प्राकृत अनुपूरक कोर्स प्रथम-पत्र गद्य-पद्य एवं व्याकरण । गद्य कहाणय अट्टंग–डॉ. राजाराम जैन एवं चन्द्रदेव राम ।

पाठ्य पाटलिपुत्र राजकुमारी भूत देवी, शीलवडि चरियं एवं बारबई विंणासं ।

(क) पाठ्य-पुस्तक–50 अंक, व्याकरण–40 अंक, अनुवाद–10 अंक ।

प्राकृत (Hons.)

प्रथम-पत्र **मध्यकालीन प्राकृत पद्य** पूर्णांक : 100

(1) कुमार बाल चरियं (प्रथम वर्ग)–आचार्य हेमचन्द्र ।

(2) भविष्य दत्त काव्यम 'महेश्वर सूरिकृत' प्रथम 200 गाथाएँ ।

अंक विभाजन–व्याख्या अनुवाद 'पुस्तक से' 20 प्रश्न–40 अंक ।

द्वितीय-पत्र **प्राकृत भाषा का इतिहास एवं ऐतिहासिक आलोचना**

(क) प्राकृत भाषा का इतिहास–75 अंक ।

अर्ध मगध की आगम साहित्य–सामान्य परिचय, शेर सेनी आगम साहित्य कुन्द कुन्द स्वामी का तिकिया, शिवार्य एवं सत्यदेव लभिचन्द्र सामान्य परिचय । महाराष्ट्रीय प्राकृत के प्रमुख महाकाव्य एवं चरित काव्य-सामान्य परिचय । अपभ्रंश साहित्य सामान्य परिचय ।

(1) प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास–नेमिचन्द्र शास्त्री ।

(2) प्राकृत साहित्य का इतिहास–जगदीश चन्द्र जैन ।

(3) आचार्य कुन्द कुन्द और उसके टीकाकार–डा. शुवात्म प्रभा ।

B. A. PART–I : भूगोल (Pass & Subsidiary Course)

प्रथम-पत्र **सेक्सन-ए, भौतिक भूगोल** पूर्णांक : 100

यूनिट–1—पमस्थिनिकाल (Isostary), महाद्वीपीय स्रोत (driff) पर्वत की बनावट के संबंध में कोचर और होम्स का सिद्धान्त, पृथ्वी की आन्तरिक बनावट ।

यूनिट–2—Arid स्थलाकृति, हिम-नदी की स्थलाकृति, ज्वालामुखीय स्थलाकृति, किनारे की स्थलाकृति, फाल्टेड (Falulted) स्थलाकृति, भूस्खलन की साधारण प्रक्रिया ।

यूनिट–3—समुद्र का खारापन, जल समुद्र का भण्डार, मूँगे की चट्टान एवं वृत्ताकार पहाड़ । (Atolls) जलवायु कायूम का वर्गीकरण, जलवायु परिवर्तन के साथी तथा वायु के ढेर का वर्गीकरण ।

सेक्सन–बी, आर्थिक भूगोल

यूनिट–1—कृषि का स्रोत–जीविका, व्यावसायिक फसल एवं दुग्ध उत्पादन । खनिज का स्रोत–कोयला, पेट्रोलियम, लोहा इनका बँटवारा एवं उत्पादन ।

यूनिट–2—उद्योग के स्रोत–लोहा एवं इस्पात, सूती वस्त्र एवं चीनी उद्योग । व्यापार स्रोत–उत्तरी अटलांटिक, स्वेज कैनाल एवं पनामा कैनाल ।

भूगोल (Hons.)

प्रथम-पत्र **भौतिक भूगोल** पूर्णांक : 100

यूनिट–1—सौर्यमण्डल की व्युत्पत्ति–प्रत्येक भाग की आन्तरिक बनावट, समस्थिरता (Isostasy) संबंधी ऐरी के विचार ।

यूनिट–2—पर्वत की बनावट पर कोचर और होम्स के विचार, महाद्वीपीय मन्द धारा (drift) प्लांट टोक्टोनिवस ।

यूनिट–3—चट्टान (erosion) का सामान्य चक्र, हवा और हिमनदी के कारण किसी स्थान का नक्शा, कास्ट टापोग्राफी, ज्वालामुखी टापोग्राफी ।

यूनिट–4—वातावरण की रचना और बनावट, वायु ढेर (air masses) फ्रन्ट का वर्गीकरण, जलवायु के वर्गीकरण, कोयेगेन और थन्टबट प्रणाली ।

यूनिट–5—समुद्री पानी का खारापन, महाद्वीपीय उभरी हुई चट्टान (shelf), ढलान और गहरे समुद्र की सतह, भारतीय और अटलांटिक समुद्र की मंजिल (flcol) और उभरी आकृति का नक्शा (relief), समुद्री संग्रह और मूँगे का पहाड़ ।

द्वितीय-पत्र **सेक्सन-ए** पूर्णांक : 100

यूनिट–1—एशिया–आकृति, बनावट, जलवायु और प्राकृतिक वन-सम्पदा ।

यूनिट–2—एशिया–खनिज और ऊर्जा के स्रोत, जनसंख्या और उसके स्रोत, कृषि योग्य जलवायु के क्षेत्र ।

सेक्सन–बी

यूनिट–3—चीन–प्राकृतिक क्षेत्र-कृषि, खनिज, औद्योगिक विकास तथा जनसंख्या ।

यूनिट–4—जापान–कृषि तथा मछली उद्योग, औद्योगिक विकास तथा क्षेत्र, जनसंख्या ।

यूनिट–5—नेपाल, बंगलादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, ईरान और ईराक का भी भौगोलिक लेखा-जोखा ।

B. A. PART–I : मनोविज्ञान (Pass Course)

प्रथम-पत्र — सामान्य मनोविज्ञान — पूर्णांक : 100

1. प्रणाली निरीक्षण—लाभ एवं सीमाएँ, परीक्षण–अनित्य लाभ एवं सीमाएँ ।

2. स्नायुमण्डल—प्रकार, केन्द्रीय और स्वचालित मस्तिष्क की बनावट और कार्य-प्रणाली तथा मस्तिष्क की कार्य-प्रणाली के अध्ययन करने का तरीका ।

3. प्रत्यक्षीकरण—आचरण, स्वरूप, वैयक्तिक एवं सामाजिक कारण का कार्य-कलाप, प्रत्यक्षीकरण, प्रत्यक्षीकरण को दायरा, संगठन, जेस्टाल्टवादी दृष्टिकोण ।

4. सीखना—सीखने का प्रवृत्ति का प्रभाव, सीखने का घुमाव सिद्धान्त, अधिकार परिस्थिति, शास्त्रीय एवं यांत्रिक ।

5. स्मरण एवं विस्मरण—प्रकृति स्वरूप तत्व, विस्मरण की प्रकृति एवं कारण ।

6. चिन्तन—चिन्तन और इससे सम्बन्धित सिद्धान्त, भाषा एवं विचार का समाधान, समस्या रचनात्मक चिन्तन ।

7. संवेग—प्रकृति, संवेग में होनेवाले शारीरिक परिवर्तन, स्वतंत्र रूप से नाड़ी मंडल के संचालन तथा हाईपोथेलेमस, जेम्सलाँजे और कैनन-बार्ड सिद्धान्त ।

8. प्रेरणा—प्रेरणा और उससे जुड़ी हुई धारणा, आवश्यकता, प्रशादन, प्रोत्साहन, जैविक और सामाजिक प्रेरणा ।

9. बुद्धि—प्रकृति, बुद्धि का माप तथा बुद्धि का व्यवहार ।

10. व्यक्तित्व—प्रकृति प्रकार, विशेष गुण, निर्धारक, जैविक तथा सामाजिक माप, साक्षात्कार तथा स्वयं उपस्थित करने का तकनीक ।

B. A. PART–I : प्रायोगिक (Pass Course)

द्वितीय-पत्र — पूर्णांक : 75

सांख्यिकी—दिये गये दो समूहों में से एक का उत्तर देना होगा । 10 अंक

(i) आवृत्ति वितरण तालिका बनाने की विधि ।

(ii) केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप–मध्य, माध्यांक, बहुलांक ।

बुद्धि परीक्षण–परीक्षा के साथ निम्नलिखित बुद्धि-परीक्षण सम्बन्धित जाँच होगी ।

(i) पास अलाँग टेस्ट (ii) ब्लॉक डिजाइन टेस्ट (iii) क्यूब कन्स्ट्रकशन टेस्ट–(10 अंक)

नोट बुक–(5 अंक)

सहायक ग्रन्थ–(i) मनोविज्ञान प्रयोग और परीक्षण-मुहम्मद सुलेमान ।

मनोविज्ञान (Subsidiary)

प्रथम-पत्र — सामान्य मनोविज्ञान — पूर्णांक : 75

1. विषय एवं विधियाँ—विषय प्रवेश, परीक्षा एवं प्रयोग विधि 'गुण' एवं 'दोष' ।

2. स्नायुमण्डल—स्नायु के प्रकार, सन्धि काल, सामूहिक तथा सूक्ष्म कार्य का नियम, मस्तिष्क के बनावट एवं कार्य ।

3. प्रत्यक्षीकरण—स्वरूप, विशेषता, गेस्वाल के सिद्धान्त ।

4. सीखना—स्वरूप, सीखना वक्र, भूल चक्र एवं प्रयत्न वक्र के सिद्धान्त, इनमाईट एवं क्लासिकल अनुकूलन ।

5. स्मरण एवं विस्मरण—स्वरूप एवं निहित प्रक्रियाएँ, विस्मरण के स्वरूप एवं कारण ।

6. चिन्तन—स्वरूप एवं प्रक्रियाएँ-चिन्तन एवं प्रतिभा, रचनात्मक चिन्तन ।

7. संवेग—स्वरूप, संवेग में शारीरिक परिवर्तन, जेम्सलैंज एवं कैननवार्ड के सिद्धान्त ।

8. प्रेरणा—स्वरूप, प्रेरक के प्रकार ।

9. बुद्धि—स्वरूप, बुद्धि का माप ।

10. व्यक्तित्व—स्वरूप, प्रकार, विशेष गुण, जैविक एवं सामाजिक निर्धारण प्रेरक ।

B. A. PART–I : प्रायोगिक (Subsidiary Course)

प्रथम-पत्र — पूर्णांक : 25

इसमें वही पाठ्यक्रम निर्धारित हैं जो सामान्य कोर्स में शामिल किये गये हैं ।

मनोविज्ञान (Hons.)

द्वितीय-पत्र — सामान्य मनोविज्ञान — पूर्णांक : 75

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछे जायेंगे । पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा ।

1. प्रणाली निरीक्षण (observation)—लाभ और सीमाएँ । प्रयोग, बदलाव, सीमा एवं लाभ ।

2. स्नायुमण्डल—वर्गीकरण, केन्द्रीय स्वतंत्र मस्तिष्क की बनावट और कार्य, मस्तिष्क के कार्य के अध्ययन की प्रणाली, सूक्ष्म कार्य के सिद्धान्त, केन्द्रित (localisation) और सामूहिक कार्य ।

3. प्रत्यक्षीकरण (Perception), आचरण (Characteristics) निर्धारण का प्रत्यक्षीकरण, जेस्लटवादी और व्यवहारवादी दृष्टिकोण । प्रत्यक्षीकरण के वैयक्तिक तत्व और सामाजिक कारक, स्थान प्रत्यक्षीकरण ।

4. सीखना—प्रेरणात्मक शिक्षण के कार्य और सीखने के प्रभाव (curve) का सिद्धान्त, सम्पर्क सूत्र, अन्तर्मुखी और स्थितिपूरक शास्त्रीय (Classical), यांत्रिक (Instrument) ।

5. स्मरण एवं विस्मरण—प्रकृति, एबीगस और वर्टलेट के विचार, धारणा शक्ति, पृष्ठोन्मुख अवरोध, विस्मरण की परिभाषा एवं प्रवृत्ति ।

6. चिन्तन (thinking)—चिन्तन और उससे सम्बन्धित प्रत्यक्ष समस्या, चिन्तन तत्परता की भूमिका, भाषा और विचार, केन्द्रीय परीक्षण सिद्धान्त, रचनात्मक चिन्तन ।

7. संवेग—प्रकृति, संवेग का परिवर्तन, ए. एन. एम. कार्बन काक्टेक्स, बाहर और भीतरी भाग का एवं हाइपोथैलम्स का कार्य । जेम्स, लैन, कैनन बार्ड का सिद्धान्त और सक्रिमन सिद्धान्त ।

8. प्रेरणा (Motivation)—प्रेरक और उससे सम्बन्धित आत्मा, आवश्यकता (dilive) और त्रदोहन, जैविक तथा सामाजिक प्रेरक, प्रेरक का माप ।

9. बुद्धि—प्रकृति, सिद्धान्त का माप, बुद्धि परीक्षण और बुद्धि-परीक्षण के निर्धारण की उपयोगिता ।

10. व्यक्तित्व—प्रकृति, प्रकार और पहुँच, निर्धारण, सर्जनात्मक, जैविक और सामाजिक व्यक्तित्व का माप ।

सहायक पुस्तकें :

1. रहमान और सुलेमान—सामान्य मनोविज्ञान विषय और व्याख्या ।
2. आर. आर. पी. सिन्हा और बी. के. सिन्हा—सामान्य मनोविज्ञान ।

द्वितीय-पत्र — असामान्य मनोविज्ञान — पूर्णांक : 75

1. असमानता के बारे में विभिन्न विचार, मनोविकृतियों का संक्षिप्त इतिहास ।
2. अकारात्मक और गत्यात्मक दृष्टिकोण ।
3. दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ, मानसिक संघर्ष एवं बचाव, मनोरचनाएँ । लैंगिक विकास ।
4. स्वप्न—कार्य, फ्रायड का सिद्धान्त, युंग एवं एडलर का सिद्धान्त ।

5. मनःस्नायु विकृतियाँ—मनःस्नायु विकृतियाँ एवं मनोविकृतियों में अन्तर, चिन्ता, विकृतियाँ मनोग्रस्ति, बाध्यता एवं मनःस्नायु विकृतियाँ, उन्माद, मनःस्नायु विकृति, विषाद रोग, नैदानिक स्वरूप एवं दुर्बलता ।

6. मनोविकृतियाँ स्थिर—व्यामोह, उत्साह, विषाद, मनोविकृति एवं मनोविदालिता, नैदानिक उपाय एवं दुर्बलता ।

7. मनोविकारी विकृतियाँ—प्रकार, नैदानिक स्वरूप, उपचार ।

8. मनोदैहिक विकृतियाँ—प्रकार, नैदानिक स्वरूप, उपचार ।

9. मनःचिकित्सा—उद्देश्य एवं व्यवहार, मनोविश्लेषण एवं व्यवहार, परिमार्जन, मनःचिकित्सा विधि ।

10. मानसिक दुर्बलता, नैदानिक वर्गीकरण, मानसिक दुर्बलता के कारण ।

सहायक ग्रन्थ :

1. आर. आर. पी. सिन्हा और बी. के. मिश्रा–असामान्य मनोविज्ञान 2. सुलेमान ।

तृतीय-पत्र **प्रैक्टिकल (Hons.)** पूर्णांक : 50

प्रयोग—20 मार्क, मनोवैज्ञानिक परीक्षण—20 मार्क, नोट बुक—10 मार्क का होगा ।

प्रयोग—परीक्षा में एक प्रयोग का करना अनिवार्य है ।

1. मौखिक सीखना—क्रमिक और पुनरुत्पादन विधि ।

2. ज्ञानात्मक क्रियात्मक शिक्षण—द्विवार्शिवक स्थानान्तर एवं आदत के बाधा के प्रभाव ।

3. युग्मित तुलना—विधि द्वारा रंग अधिमान का अध्ययन ।

4. परीक्षण—परीक्षण में एक मनोवैज्ञानिक परीक्षण का प्रबन्ध करना पड़ेगा । निम्न प्रकार के बुद्धि परीक्षण का अभिनय करना होगा ।

(i) पास एलाँग परीक्षण (ii) क्यूब कन्सट्रक्शन और (iii) ब्लॉक डिजाइन परीक्षण ।

B. A. PART–I : इतिहास (Pass & Subsidiary)

प्रथम-पत्र **भारत का इतिहास (प्रारंभ से ई. 1526 तक)** पूर्णांक : 100

1. प्राचीन भारतीय इतिहास का स्रोत । **2.** सिन्धुघाटी सभ्यता । **3.** आरम्भ एवं बाद की वैदिक सभ्यता । **4.** छह शताब्दी पूर्व मगध साम्राज्य का उत्थान और धार्मिक सुधार आन्दोलन । **5. मौय युग**–चन्द्रगुप्त और अशोक के विशेष सन्दर्भ में राजनैतिक इतिहास, मौर्य साम्राज्य का पतन । **6.** विदेश साम्राज्य । **7. गुप्तवंश का युग**–चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त द्वितीय के विशेष सन्दर्भ में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास तथा पतन । **8.** हर्षवर्द्धन का युग । **9.** पालवंश त्रिमुखी संघर्ष । **10. दक्षिण भारत**–सातवाहन, पल्लव, चोल और चालुक्य । **11.** सिन्ध पर अरब आक्रमण । **12. तुर्क आक्रमण**–सफलता के कारण । **13.** अध्ययन के स्रोत–(1206 से 1626) । **14.** तुर्क शताब्दी की स्थापना–(1206 से 1290) इल्तुतमिश और बलबन के विशेष सन्दर्भ में । **15.** दिल्ली सुल्तान (1290 से 1320) का विस्तार, अलाउद्दीन खिलजी के विशेष सन्दर्भ में । **16.** दिल्ली, सुलतान (1320 से 1398) मुहम्मद-बिन-तुगलक, फिरोज तुगलक के विशेष सन्दर्भ में तथा तैमूर का आक्रमण । **17.** विजयनगर और बहमनी साम्राज्य का उत्थान । **18.** लोदी वंश । **19.** सुल्तान के समय सामाजिक, धार्मिक विकास । **20.** 1526 ई. में पानीपत की लड़ाई के कारण और प्रभाव ।

इतिहास (Hons.)

प्रथम-पत्र **भारतीय इतिहास प्रारंभ से 1206 ए. डी. तक**

1. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत । **2.** प्राचीन ऐतिहासिक काल प्रणाली और महत्व । **3.** सिन्धुघाटी की सभ्यता (नगर विकास भौतिकवादी सांस्कृतिक का स्वरूप, श्रम और लिपि,

सामाजिक रूप, ह्रास और उत्थान (legacy) । **4. नवीन धार्मिक आन्दोलन**–भौतिकवादी और आदर्श पृष्ठभूमि में महावीर जैनधर्म और दर्शन, गौतम बुद्ध, धर्म और दर्शन । **5.** राजतंत्रीय और अराजतंत्रीय संस्कार (छठी शताब्दी पूर्व में) मगध साम्राज्य का उत्थान, परसीयन और ग्रीक से संबंध । **6. मौर्य युग**–प्रथम साम्राज्य की स्थापना–प्रशासन, संघठन सोसाइटी, अर्थ-व्यवस्था, धर्म और कला, धर्म का अशोक का विचार तथा मौर्य साम्राज्य का ह्रास । **7.** 200 ई. पूर्व से 300 ए. डी. तक मौर्य काल के बाद का विकास, शुंग, कुषाण तथा साहवाहन के विशेष सन्दर्भ में राजनैतिक उत्थान, प्रशासनिक संस्थाएँ, गतिविधि, व्यवसाय और साहित्य । **8. गुप्त साम्राज्य युग**–चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त तथा चन्द्रगुप्त द्वितीय के नेतृत्व में साम्राज्य का आरम्भ और विस्तार, प्रशासनिक प्रणाली, सांस्कृतिक विकास, कला साहित्य, धर्म विज्ञान और टेक्नोलॉजी । **9.** हर्षवर्धन-विजय और धार्मिक नीति । **10.** 8 शताब्दी ए. डी. से 12 शताब्दी ए; डी., राजपूतों की उत्पत्ति और कार्य-कलाप । **11. दक्षिण भारत**–पल्लव, उनकी सांस्कृतिक देन, प्रशासनिक प्रणाली के विशेष सन्दर्भ में चोल, चालुक्य, बप्पी के । **12. तुर्क का आगमन**–गजनवी और गोरी । **13.** अरब का आगमन इसका राजनैतिक और सांस्कृतिक टक्कर ।

सहायक पुस्तकें : 1. प्राचीन भारत का इतिहास–मित्तल । **2. प्राचीन भारत का इतिहास**–कुमार एवं कुमार । **3. पोलिटिकल हिस्ट्री ऑफ एन्सीयेन्ट इण्डिया**–राय चौधरी । **4. प्राचीन भारत का इतिहास**–राधाकृष्ण चौधरी । **5. प्राचीन भारत का इतिहास**–दीनानाथ वर्मा ।

द्वितीय-पत्र **ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास 1603 ई. से 1939 ई. तक**

1. प्रारंभिक स्टुअर्ट प्रभुसत्ता उनका संवैधानिक द्वन्द्व एवं विदेश-नीति । **2.** गृह-युद्ध क्रॉमबेल का उत्थान । **3.** क्रॉमवेल संवैधानिक परीक्षण, विदेश-नीति । **4.** 1660 की पूर्व अवस्था की प्राप्ति (Restoration), प्रकृति और महत्व, चार्ल्स द्वितीय की विदेश-नीति । **5.** जेम्स द्वितीय–1688 की महान (Glorious) क्रांति के कारण इसका प्रकृति और महत्व । **6.** जार्ज प्रथम और जार्ज द्वितीय के शासन का संवैधानिक महत्व, बालपोर्ट का घरेलू और विदेश-नीति । **7.** 19वीं शताब्दी का हरित-क्रान्ति-इसके प्रमुख मुद्दे । **8. औद्योगिक क्रान्ति**–तत्व स्वरूप और टकराव । **9.** जार्ज तृतीय का शाही शक्ति का उद्धार (Revival) का महत्व छोटे पिट का घरेलू और विदेश-नीति में सफलताएँ । **10. जनमत का विस्तार**–प्रथम सुधार एक्ट (1832), दूसरा सुधार एक्ट (1867) और तीसरा सुधार एक्ट (184) । **11.** पोल की सफलता । **12.** ग्लैडस्टोन, डिजराइली–सामाजिक सुधार और राजाधिराज । **13.** विश्वयुद्ध में इंग्लैण्ड का शामिल होने के कारण । **14.** 1931 ई. का कैबिनेट संकट (Crisis) । **15.** द्वितीय विश्वयुद्ध के समय इंग्लैण्ड की नीति और समझौता ।

सहायक पुस्तकें–1. इंग्लैण्ड का इतिहास–बी. डी. महाजन । **2. इंग्लैण्ड का इतिहास** हिन्दी–आई. के. शर्मा । **3. इंग्लैण्ड का इतिहास**–कुमार एवं कुमार ।

B. A. PART–I : अर्थशास्त्र (General Course)

प्रथम-पत्र **माइक्रो अर्थशास्त्र**

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं सीमा अर्थशास्त्रीय नियम माइक्रो तथा मैक्रो अर्थशास्त्र ।

2. उपयोगिता का विश्लेषण, उपभोक्ता के व्यवहार का तटस्थ घुमाव, विश्लेषण (Indifference curve Analysis) माँग का नियम, माँग का घुमाव तथा उपभोक्ता की बचत ।

3. लाभ नियम, जनसंख्या का सिद्धान्त ।

4. राजस्व एवं लागत (Cost) की धारणा, लागत घुमाव का विश्लेषण, राजस्व घुमाव का विश्लेषण और राजस्व घुमाव (Curve) ।

5. पूर्ण प्रतिस्पर्धा के अन्तर्गत मूल्य पर विचार, एकाधिकार और भेदयुक्त एकाधिकार ।

6. वितरण का सीमान्त सिद्धान्त लगान, रिकार्डो तथा आधुनिक लगान सिद्धान्त । मजदूरी, मजदूरी की माँग और आपात सिद्धान्त, सामूहिक लेन-देन के अंतर्गत मजदूरी का निर्धारण ।

ब्याज–ब्याज का शास्त्रीय और अपेक्षाकृत सरलता का सिद्धान्त ।

लाभ–लाभ की प्रकृति, लाभ का नाईट और स्कूम्यटर सिद्धान्त ।

अर्थशास्त्र (Subsidiary)

प्रथम-पत्र — **अर्थशास्त्र के सिद्धान्त** — पूर्णांक : 100

1. मैक्रो एवं माइक्रो अर्थशास्त्र । 2. उपयोगिता का विश्लेषण, माँग के नियम, लोच एवं उपयोगिता की बचत, लाभ के नियम, जनसंख्या का सिद्धान्त, लागत विश्लेषण । 3. पूर्ण स्पर्धता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत मूल्य । 4. राष्ट्रीय आय, सामाजिक खाता एवं वितरण के सिद्धान्त । 5. लगान-ब्याज, मजदूरी एवं लाभ । 6. योजना-अर्थशास्त्र में मुद्रा का कार्य । 7. मुद्रा के संख्यात्मक सिद्धान्त एवं बचत लागत के सिद्धान्त । 8. मुद्रा-स्फीति-नतीजा, कारण, साधन । 9. कॉमर्सियल एवं सेन्ट्रल बैंक का कार्य । 10. I.M.F. एवं विश्व बैंक का कार्य । 11. करारोपण का सिद्धान्त, लाभ, वेतन, योग्यता एवं सिद्धान्त । 12. लोक व्यय की बुद्धि-कारण, नतीजा । 13. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त । 14. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार । 15. निःशुल्क व्यापार एवं उत्पादन ।

अर्थशास्त्र (Hons.)

प्रथम-पत्र — **माइक्रो अर्थशास्त्र** — पूर्णांक : 100

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति और सीमा, माइक्रो अर्थशास्त्र, स्टैनिक तथा डिनामिक अर्थशास्त्र ।

2. उपभोग का माइक्रो सिद्धान्त, उपयोगिता, विश्लेषण, विश्लेषण का तटस्थ घुमाव तथा माँग की लोच ।

3. लागत (Cost) और राजस्व (Revenue) की धारणा (Concept) लागत घुमाव और राजस्व घुमाव का विश्लेषण ।

4. उत्पादन के कार्य (Return) बचत का नियम, तुल्यता की मात्रा ।

5. मूल्य (Price) का सिद्धान्त–पूर्णतः प्रतियोगिता की स्थिति में मूल्य निर्धारण, एकाधिकार में प्रतिस्पर्धा ।

6. वितरण–वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त, लगान–रिकार्डो तथा आधुनिक सिद्धान्त । मजदूरी–मजदूरी की माँग और आपूर्ति, सामूहिक भेदभाव के अंतर्गत मजदूरी का निर्धारण । ब्याज का शास्त्रीय और अपेक्षाकृत तरलता का सिद्धान्त, लाभ–लाभ का नाइट और स्कूम्यटर सिद्धान्त ।

सहायक ग्रन्थ :

1. एल. एम. राय–माइक्रो अर्थशास्त्र । 2. एम. एल. आहूजा–एडवांस्ड इकॉनौमिक थ्योरी । 3. वी. सी. सिन्हा–उच्चतर आर्थिक सिद्धान्त ।

द्वितीय-पत्र — **मैक्रो अर्थशास्त्र** — पूर्णांक : 100

1. मुद्रा–आर्थिक प्रणाली में मुद्रा के कार्य, मुद्रा का मूल्य, आदान-प्रदान और परिणाम का रोकड़ संतुलन पहुँच, मुद्रा का सिद्धान्त, आमदनी और खर्च की पहुँच । मुद्रास्फीति का अन्तराल, मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाने की प्रणाली तथा मुद्रा नीति का उद्देश्य ।

2. राष्ट्रीय आय–आय का निर्धारण का सिद्धान्त, प्रभावकारी माँग का कैनेसिक सिद्धान्त, उपभोग का कार्य, गुणक का कार्य, गुणक (Multipler) सरल (Liquidity) तथा धन लागत (Investment) ।

3. बैंकिंग–व्यापारिक बैंकों के सिद्धान्त, विश्वास सृष्टि (Credit creation) केन्द्रीय बैंक के कार्य तथा विश्वास नियंत्रण की प्रणाली ।

4. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली–आर्थिक विकास में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के कार्य, रिकार्डो का सिद्धान्त और हेक्सरलीन फार्मूला, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार फायदा, भुगतान का संतुलन और विपरीत भुगतान को सही करने की प्रणाली ।

सहायक ग्रन्थ :

1. बी. सी. सिन्हा–मौद्रिक अर्थशास्त्र । 2. टी. टी. सेठी–मैक्रो अर्थशास्त्र ।

B. A. PART–I : दर्शनशास्त्र (Pass & Subsidiary)

प्रथम-पत्र — **भारतीय दर्शन** — पूर्णांक : 100

1. भारतीय दर्शन का आधारभूत रूप । 2. चार्वाक-प्रमाण विज्ञान (epistemology) और तत्व मीमांसा । 3. द्रव्य-जीव, बंधन, मुक्ति । 4. बुद्ध-चार आदर्श सत्य । 5. न्यान-ज्ञान का स्रोत, ईश्वर के अस्तित्व का प्रमाण । 6. वैशेषिक-सात श्रेणियाँ । 7. सांख्य-सत्कर्मवाद, उत्पत्ति, पुरुष और प्रकृति, बंधन एवं मुक्ति । 8. योग-आठ मार्ग । 9. मीमांसा–अपूर्व । 10. वेदान्त-शंकर, ब्रह्मण, विश्व, माया और आत्मा । 11. रामानुज ब्राह्मण–शंकर के मायावाद का खण्डन ।

दर्शनशास्त्र (Hons.)

प्रथम-पत्र — **भारतीय दर्शन** — पूर्णांक : 100

1. चार्वाक–प्रमाण विज्ञान (Epstenology) तथा तत्व विद्या । 2. जैन-जीव, बंधन तथा मुक्ति । 3. बुद्ध–चार आदर्श सत्य । 4. न्याय–ज्ञान का स्रोत । 5. वैशेषिक–सात पदार्थ । 6. सांख्य–सत्यकार्यवाद, विकासवाद के सिद्धान्त । 7. योग के अष्टांग साधन, ईश्वर का स्वरूप । 8. वेदांत शंकर ब्राह्मवाद, विश्व और आत्मा, रामानुज । 9. ब्राह्मण शंकर के मायावाद का खण्डन ।

सहायक ग्रन्थ :

1. भारतीय दर्शन–चटर्जी और दत्त । 2. भारतीय दर्शन–हरेन्द्र प्रसाद ।

द्वितीय-पत्र — **तत्व मीमांसा एवं आचार शास्त्र (Ethics Metaphysics)** — पूर्णांक : 100

1. दर्शन का स्वरूप । 2. ज्ञान के स्रोत संबंधी सिद्धान्त–राष्ट्रवाद, प्रयोगवाद, गुणदोषवाद । 3. Ultimate Reality संबंधी सिद्धान्त–भौतिकवाद, अध्यात्मवाद । 4. ईश्वर एवं विश्व संबंधी सिद्धान्त–तटस्थ ईश्वरवाद, सर्वेश्वरवाद, ईश्वरवाद । 5. आचार शास्त्र का स्वरूप । 6. नैतिक नीति शून्य क्रम, नैतिक न्याय का स्वरूप एवं विषय प्रयोजन तथा अभिप्राय, नैतिकता की आवश्यक मान्यताएँ । 7. नैतिक सिद्धान्त, सुखवाद, आत्मपूर्णतावाद, तिगोरिज्म ।

सहायक ग्रन्थ : 1. तत्व दर्शन और ज्ञान शास्त्र–ए. के. वर्मा । 2. दर्शन शास्त्र की रूप-रेखा–राजेन्द्र प्रसाद । 3. आचार शास्त्र–अशोक कुमार वर्मा ।

B. A. PART–I : राजनीति विज्ञान (Pass & Subsidiary)

राजनीति विज्ञान के सिद्धान्त

(क) राजनीति विज्ञान की प्रकृति एवं सीमा :

1. राजनीति क्या है ? 2. राजनीति की उदार और मार्क्सवादी विचारधारा । 3. परम्परागत राजनीति विज्ञान, प्रकृति और सीमा । 4. आधुनिक राजनीति विज्ञान । 5. राजनीति विज्ञान के अध्ययन में अनुशासनात्मक पहुँच और उसका अन्य विज्ञान से सम्बन्ध । 6. राजनीति विज्ञान के अध्ययन प्रणाली ।

(ख) राज्य (State) :

1. परिभाषा एवं तत्व । 2. राज्य की प्रकृति । 3. साधन, उद्देश्य, विवादास्पद । 4. राज्य के कार्य–उदारवादिता, सामाजिकता और कल्याणकारी राष्ट्र 5. आधुनिक राज्य की उत्थान एवं विस्तार ।

(ग) प्रभुत्व (Sovereignty) :

1. ऑस्टिन विचारधारा के विशेष संदर्भ में ब्रह्मवाद ।
2. लॉस्की और मैकेबर के विशेष संदर्भ में अनेकता ।

(घ) राजनैतिक धारा :

1. कानून । 2. स्वाधीनता (Liberty), नकारात्मक और सकारात्मक स्वाधीनता के संदर्भ में । स्वाधीनता की मार्क्सवादी धारणा 3. समानता, समानता का कानूनी, राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक परिणाम (Dimension) स्वाधीनता और समानता में संबंध । 4. अधिकार-उदार मार्क्सवादी अधिकार एवं लॉस्की के विशेष संदर्भ में । स्वाधीनता की मार्क्सवादी धारणा 5. न्याय (Justice)–न्याय का कानून, राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक परिणाम, स्वाधीनता और न्याय में संबंध ।

(ङ) प्रजातंत्र (Democracy) :

1. राष्ट्रीय अनेकता के विशेष संदर्भ में, प्रजातंत्र के संबंध में लोक समूह और मार्क्सवादी विचारधारा । 2. राजनैतिक दल । 3. दबाव डालने वाले समूह । 4. चुनाव और प्रतिनिधित्व की प्रणाली ।

(च) पहुँच (Approaches) और धारणा (Concepts) :

1. व्यवहारवादी (Behaviouralism)
2. शक्ति अधिकार एवं यथावर्त (Ligitimacy) ।

(छ) राजनैतिक बंधन (Obligational) :

1. मार्क्सवादी 2. गाँधीवादी ।

राजनीति विज्ञान (Hons.)

प्रथम-पत्र — राजनीतिक शास्त्र के सिद्धान्त — पूर्णांक : 100

(क) **राजनीति विज्ञान की प्रकृति और सीमा–1.** राजनीति क्या है ? 2. राजनीति की उदार और मार्क्सवादी विचारधारा । 3. आधुनिक राजनीति विज्ञान, प्रकृति और सीमा । 4. राजनीति विज्ञान के अध्ययन में अर्न्तनुशासनीय (Interdisciplinary) पहुँच, अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध । 5. राजनीति विज्ञान के अध्ययन की प्रणाली ।

(ख) **राज्य (State)–1.** परिभाषा और तत्व । 2. राज्य की प्रकृति । 3. साधन, लक्ष्य और विवाद । 4. राज्य के कार्य, उदारवादिता, सामाजिकता और कल्याणकारी राज्य । 5. आधुनिक राज्य का उत्थान और पतन ।

(ग) **प्रभुत्व–1.** ऑस्टीन की विचारधारा के संदर्भ में ब्रह्मवाद । 2. लॉस्की और मेकाइवर विचारधारा के विशेष संदर्भ में अनेकतावाद ।

(घ) **राजनीतिक आदर्श–1.** कानून । 2. नकारात्मक और सकारात्मक के विशेष संदर्भ में अधिकार की उदारवादी और मार्क्सवादी विचारधारा । 3. संभावना-समानता की न्यायिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक परिणाम (dimention) अधिकार और समानता में संबंध । 4. उदारवादी और मार्क्सवादी विचार के विशेष संदर्भ में अधिकार (rights) और अधिकार के संबंध में लॉस्की का सिद्धान्त ।

(ङ) **प्रजातंत्र–1.** शास्त्रीय अनेकतावादी सर्वोत्तम लोक समूहवादी (Bisist) और मार्क्सवादी

विचारधारा के विशेष संदर्भ में प्रजातंत्र । 2. राजनैतिक दल । 3. दबाव डालने वाला समूह (Pressure Group) । 4. जनमत और प्रतिनिधित्व की प्रणाली ।

(च) **पहुँच एवं धारणा–1.** व्यवहार । 2. पहुँच के नियम, द्रूत का ढाँचा, शक्ति का स्रोत तथा वार्ता एवं राजनीति ।

(छ) **राजनैतिक बंधन एवं राज्य कार्य के सिद्धान्त–1.** एकतावाद, 2. आदर्शवाद, 3. मार्क्सवाद, 4. विकासशील समाजवाद, संसदीय समाजवाद, 5. लेनिनवाद एवं प्रजातंत्र समाजवाद, 6. फासिस्टवाद, 7. गाँधीवाद ।

द्वितीय-पत्र — तुलनात्मक सरकार और राजनीति — पूर्णांक : 100

यू.के., यू.एस.ए., स्वीटजरलैण्ड और रूस के विशेष संदर्भ में

1. तुलनात्मक सरकार और राजनीति की प्रकृति तथा सीमा । 2. राजनीति प्रणाली और राजनीति प्रक्रिया । 3. तुलनात्मक राजनीति की पहुँच । 4. कार्यपालक प्रणाली (Executive system) । 5. विधान प्रणाली (Legislative system) । 6. न्याय प्रणाली (Judiciary system) । 7. संघ प्रणाली (Federal system) । 8. संविधान में संशोधन की प्रक्रिया । 9. दलीय प्रणाली । 10. दबाव डालने वाला समूह ।

सहायक पुस्तकें–1. तुलनात्मक राजनीति–विरकेश्वर प्रसाद सिंह । 2. तुलनात्मक राजनीति–गाँधीजी राय । 3. तुलनात्मक राजनीति–प्रभुदत्त शर्मा । 4. तुलनात्मक राजनीति–परमात्मा शरण ।

B. A. PART–I : समाजशास्त्र (Pass Course)

प्रथम-पत्र — समाजशास्त्र के सिद्धान्त — पूर्णांक : 100

1. परिभाषा और सीमा–अन्य सामाजिक विज्ञान से संबंध । **2. सामाजिक रूप**–अर्थ, आचरण और तत्व । **3. सामाजिक समूह**–अवधारणा, आचरण और वर्गीकरण । **4. सामाजिक संगठन**–अवधारणा, आचरण तत्व-सामाजिक संगठन और बिखराव । **5. संस्कृति**–अवधारणा तत्व, संस्कृति और सभ्यता एवं सांस्कृतिक परिवर्तन । **6. सामाजिक परिवर्तन**–अवधारणा, आचरण और कारक, पारिवारिक, तकनीकी, सांस्कृतिक । **7. परिवार**–प्रकृति, आचरण और कार्य के प्रकार । पारिवारिक बिखराव के आधुनिकीकरण । **8. सामाजिक प्रणाली**–अवधारणा, आचरण तथा वर्गीकरण । **9. सामाजिक चित्रण**–प्रकृति, सामाजिक नियंत्रण की आवश्यकता । एजेन्सी ।

प्रथम-पत्र — समाजशास्त्र के सिद्धान्त (Hons.) — पूर्णांक : 100

1. समाजशास्त्र की प्रकृति और सीमा, अन्य सामाजिक विज्ञान से इसके संबंध–समाजशास्त्र का उत्थान तथा विकास । **2. सामाजिक समूह**–(क) परिभाषा, वर्गीकरण (ख) संदर्भ (Reference) समूह-विचार परिस्थिति और मानवीय आचरण का प्रभाव । **3. सामाजिक व्यवस्था**–कार्य, अकार्य, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव । **4. सामाजिक रचना**–विचार, तत्व एवं वर्गीकरण । **5. संस्कृति**–परिभाषा, तत्व, सांस्कृतिक परिवर्तन । **6. सामाजिक नियंत्रण**–प्रकृति, अभिकरण तथा साधन । **7. परिवार**–परिभाषा, प्रकार, आधुनिक परिवार के कार्य और समस्याएँ । **8. सामाजिक परिवर्तन**–अवधारणा, कारक, प्रौद्योगिकीय संस्कृति, कारक एवं सीमा रेखा, निर्धारण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त, विकासवादी (Evolutionary) चक्रीय (Cyclic) द्वन्द्ववादी (Conflict) सिद्धान्त । **9. सामाजिक स्तरीकरण** (Stratification)–विचार, प्रकृति और प्रकार, जाति और वर्ग । **10. सामाजिक गतिशीलता** (Mobility)–परिभाषा, प्रकार औरसामाजिक गतिशीलता भारतीय सोसाइटी के संदर्भ में ।

सहायक पुस्तकें–1. समाजशास्त्र एक परिचय-मुजतफा हुसैन ।

द्वितीय-पत्र भारतीय समाज और संस्कृति पूर्णांक : 100

1. हिन्दी समाज की रूपरेखा, संस्थाएँ, विवाह, वर्णाश्रम, संयुक्त परिवार, पुरुषार्थ, कर्म और संस्कार ।

2. भारतीय जाति–प्रणाली-विचारधारा, व्युत्पति-आचरण (Characteristic) जाति में परिवर्तन, जाति और वर्ग, शहरीकरण, भारतीय प्रणाली में सांस्कृतिकता और पाश्चात्यता का परिणाम ।

3. मुस्लिम परिवार–विवाह, महिलाओं का दर्जा, तलाक ।

4. भारतीय समाज एवं संस्कृति पर इस्लाम और पश्चिम सभ्यता का प्रभाव ।

5. ग्रामीण समुदाय–प्रकृति, आचरण, ग्राम पंचायत-इसके अतीत, वर्तमान और भविष्य की रूपरेखा, पंचायती राज, उद्देश्य, संगठन और कार्य ।

6. भूत, वर्तमान एवं भविष्य में भारतीय समाज में महिलाओं का दर्जा ।

साहयक पुस्तकें :

1. मुखर्जी–भारतीय सामाजिक संस्थाएँ ।
2. जी. के. अग्रवाल–भारतीय सामाजिक संस्थाएँ ।

प्राचीन भारतीय इतिहास और संस्कृति (Pass Course)

प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास

(सिन्धुघाटी सभ्यता से 640 ए.डी. तक)

निर्धारित अध्ययन–प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धुघाटी सभ्यता, नगर विकास योजना, आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति, वैदिक युग, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति, छह शताब्दी ईसा पूर्व उत्तरी भारत की राजनैतिक स्थिति, मगध साम्राज्य के उत्थान से लेकर नंदवंश के उत्थान तक, परसिया में मासिडोनिया का आक्रमण, मौर्य साम्राज्य, चन्द्रगुप्त मौर्य का जीवनकाल और उसकी सफलताएँ, अशोक का कलिंग युद्ध, साम्राज्य का विस्तार, बौद्ध धर्म का प्रचार, मौर्य साम्राज्य का पतन, शुंग वंश, सातवाहन, कनिष्क का राजकाल और सफलताएँ, गुप्तवंश-समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त द्वितीय, स्कन्दगुप्त, गुप्तवंश का पतन, हर्षवर्द्धन की सफलताएँ, हर्षवर्द्धन साम्राज्य का विस्तार; भारत पर हूणों का आक्रमण ।

A.I.A.S. (Subsidiary)

प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास पूर्णांक : 100

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धुघाटी सभ्यता, नगर योजना, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थिति, वैदिक-युग का सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थिति, छह शताब्दी ईसा पूर्व उत्तरी भारत को राजनैतिक परिस्थिति, मगध का राजनैतिक उत्थान, नंदवंश तक । परसियन आक्रमण, अकमोनियन आक्रमण, मौर्य साम्राज्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, जीवनकाल सफलताएँ । अशोक साम्राज्य का विस्तार । कलिंगवार, धम्म और उसका प्रचार । मौर्य साम्राज्य का पतन । कुबाम शुंग सातवाहन । कनिष्क के सफलता के दिन । गुप्त साम्राज्य-समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त साम्राज्य का पतन । हूणों का भारत पर आक्रमण, बेकन्टकस बर्ठनावश, हर्षवर्द्धन का जीवनकाल, सफलताएँ । हर्षवर्द्धन साम्राज्य का विस्तार ।

प्राचीन भारत का राजनैतिक और संस्कृति इतिहास (Hons.)

प्रथम-पत्र प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास पूर्णांक : 100

निर्धानित अध्याय–प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धुघाटी की सभ्यता, नगर योजना, सामाजिक आर्थिक परिस्थिति, छठी शताब्दी में उत्तरी भारत की राजनैतिक परिस्थिति, मगध साम्राज्य के नन्द तक का उत्थान, परसियन और मैसीडेनियन आक्रमण, मौर्य साम्राज्य-चन्द्रगुप्त मौर्य का जीवन । वृत्तान्त और सफलताएँ, अशोक का कलिंग युद्ध, बौद्ध धर्म और उसका प्रचार,

मौर्य साम्राज्य का पतन, शुंग वंश, सतवाहन, कनिष्क की सफलताएँ, गुप्त साम्राज्य, समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त द्वितीय, गुप्त साम्राज्य का पतन, पुलकेशिन द्वितीय की सफलताएँ, गोविन्द तृतीय और राष्ट्रकूट का उत्तरी आक्रमण, राजा रूआजा और राजेन्द्र चोल की सफलताएँ ।

प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

द्वितीय-पत्र प्रारम्भ से 647 ए. डी. तक पूर्णांक : 100

समूह 'क' (सामाजिक इतिहास)

सामाजिक इतिहास के स्रोत, वर्ण एवं जाति-व्यवस्था, आश्रम प्रणाली, संस्कार, विवाह, महिला की स्थिति, पुत्र के प्रकार, गुरुकुल प्रणाली, शिक्षक और छात्र संबंधी शिक्षा, उद्देश्य और आदर्श, दास-प्रथा, अस्पृश्यता, नालन्दा, विक्रमशीला और तक्षशिक्षा-विश्वविद्यालय ।

प्रथम-पत्र गृह विज्ञान (General Course) पूर्णांक : 100

(क) 1. आहार और पौष्टिकता–पौष्टिकता–बनावट, वर्गीकरण, कार्य, अपूर्ण पौष्टिकता के लक्षण, स्रोत, कार्बोहाइड्रेट रोज कितनी जरूरी, चर्बी, विटामिन, खनिज और जल । 2. भोजन वर्गीकरण–अन्न की पौष्टिकता, भोजन का पौष्टिक मूल्य सब्जी, फल, दूध, घी, चर्बी और तेल, मांस, मछली, अंडा और पकाने में उनका व्यवहार । 3. संतुलित आहार–इसका महत्व, बीमार और गर्भवती महिला के लिए आहार योजना । 4. भोजन बनाने की विधि–प्रकार, उनकी गुणवत्ता और अन्न का भण्डारण इसके महत्व और प्रणाली ।

(ख) गृह व्यवस्था–1. गृह व्यवस्था की धारणा और उद्देश्य । 2. गृह व्यवस्था की प्रणाली-योजना, नियंत्रण और मूल्यांकन । 3. साधन व्यवस्था–ऊर्जा और रुपये-पैसे । 4. कमरे की योजना, सजावट सिद्धान्त, तत्व, डिजाइन और घर की सजावट में रंगों का महत्व । 5. घर की सफाई-रोज सप्ताह में और समय परिवर्तन और उन्हें साफ रखने के सामग्री, इनके व्यवहार और सामग्रियों, बर्तन आदि का रख-रखाव । 6. घर के कार्य की योजना, मेहनत से बचने का तरीका । 7. फर्नीचर के प्रकार, फर्नीचर को प्रभावित करने वाले तत्व और फर्नीचर के रख-रखाव में सावधानी ।

प्रैक्टिकल

1. भोजन बनावट–भेजिटेबुल कटलेट पानकेक, दहीबाड़ा, पुलाव, सब्जी, करी, पूरी, केक, आमलेट एवं सेन्डवीच । 2. गृह व्यवस्था–रंगाचक्र सामानों की सफाई ।

B. A. PART–I : गृह विज्ञान (Subsidiary)

(क) आहार एवं पौष्टिक–1. पौष्टिकता वर्गीकरण बनावट कार्य, अपूर्ण लक्षण स्रोत, कार्बोहाइड्रेट प्रतिदिन के लिए कितना जरूरी, चर्बी, प्रोटीन, खनिज एवं जल । 2. भोजन वर्गीकरण, भोजन का पौष्टिक मूल्य, अन्न, दाल, सब्जी, फल, दूध से बनी चीजें, तेल, मांस, मछली, अंडा एवं उसके बनाने का प्रकार । 3. संतुलित आहार, इसका महत्त्व, बीमार एवं गर्भवती महिला की आहार योजना । 4. भोजन बनाने की विधि, प्रकार, उनके गुणों एवं दोष ।

(घ) गृह व्यवस्था–1. कमरे की योजना, सजावट का सिद्धान्त, रूप-रेखा, गृह सज्जा में रंग का महत्व । 2. घर की सफाई, प्रतिदिन, साप्ताहिक एवं ऋतु गृह सज्जा के सामान एवं प्रतिदिन दूसरे सामान एवं उसके व्यवहार । 3. गृह कार्य की योजना–नौकर बचत एवं बँटवारा, उसके रखाव एवं तरीका । 4. (क) गृह बचत–बजट बनाने, हिसाब रखना, बचत का खर्च । (ख) शिक्षा का प्रसार–1. महत्व, अर्थ, कारण, दार्शनिक एवं शिक्षा के प्रसार का सिद्धान्त । 2. शिक्षा का वर्गीकरण–शिक्षा विधि, शिक्षा के साधन । 3. ग्रामीण समाजशास्त्र एवं उनके महत्व, ग्रामीण जीवन का आचरण, ग्रामीण अविकसित लोगों की संख्या । 4. ग्रामीण एरिया के नेतृत्व का प्रकार । नेतृत्व का पहचान, नेतृत्व का कार्य एवं राष्ट्रीय उत्थान का अर्थ ।

(ग) 1. प्रायोगिक भोजन बनाना, भेजिटेबल कटलेट, पान केक सेन्डवीच, पुलाव, पूरी, सब्जी, कढ़ी, कसटर्ड एवं संदेश । 2. गृह व्यवस्था रंग चक्र । 3. शिक्षा का प्रसार, कैरसन की लिखावट । चार्ट की बनावट ।

गृह विज्ञान (Hons.)

प्रथम-पत्र — **भोजन और पौष्टिकता** — पूर्णांक : 100

1. **पौष्टिकता**—बनावट, वर्गीकरण कार्य, अपूर्णता के लक्षण, स्रोत, रोजमर्रा जीवन में कार्बोहाइड्रेट की जरूरत, चर्बी, प्रोटीन, विटामिन, खनिज और जल ।

2. पाचन सोखन (absorption) कार्बोहाइड्रेट का चयापचन (metabolism), चर्बी और प्रोटीन ।

3. भोजन का वर्गीकरण और बनावट, रचना, उपज का पौष्टिक मूल्य, सब्जी, फल और दूध से बने पदार्थ, चर्बी और तेल, मांस, मछली, अंडा का भोजन में उपयोग ।

4. भोजन का स्वास्थ्य से संबंध, पौष्टिकता, भोजन में अपूर्णता का प्रभाव ।

5. तापमान की इकाई (Chaloric) परिभाषा, तापमान की इकाई की जरूरतों को पूरा करने वाले तत्व ।

6. संतुलित आहार, गर्भवती महिला के आहार योजना, स्त्री, बच्चे, युवावस्था और बुढ़ापा के लिए आहार योजना ।

7. **रसोई प्रणाली**—भोजन के पौष्टिक महत्व पर उसका प्रभाव ।

8. अन्न भण्डारण ।

9. अन्न का नुकसान, विषाक्त भोजन और भोजन का रख-रखाव ।

द्वितीय-पत्र — **मातृत्व एवं बच्चों का विकास** — पूर्णांक : 100

1. **गर्भधारण**—गर्भवती महिला की देख-रेख, बच्चों का देख-रेख ।

2. **नवजात** (New born)—देख-रेख और व्यवस्था, नवजात शिशु के जन्म-काल की अवधि में साधारण बातों पर ध्यान रखना । उनकी माँ की भी देखभाल ।

3. **बेबी** (The infant)—जन्म से लेकर एक वर्ष तक शारीरिक, भावात्मक, सामाजिक और भाषा संबंधी विकास ।

4. **दुग्धपान**—माँ की छाती से दूध पिलाना, बनावटी और पूरक ढंग से दूध पिलाना, छाती से दूध पिलाने के बजाय बोतल से दूध पिलाना ।

5. स्कूल जाने के पहले 7-5 वर्षों के बीच शिशु की देख-रेख, शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक तथा बौद्धिक विकास, नर्सरी स्कूल में शिक्षा में अनुशासन ।

6. **स्कूल जीवन**—शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक, बौद्धिक और व्यक्तित्व का विकास (6-11) वर्षों के बीच आम व्यावहारिक समस्याएँ और स्कूली जीवन में एकीकरण ।

7. **शिशु विकास**—बचपन का महत्व, अर्थ, जरूरत और शिशु विकास के अध्ययन का अवसर ।

8. वृद्धि (Growth) और विकास सिद्धान्त तत्व और वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले तत्व ।

व्यावहारिक परीक्षा

रसोई बनाना, पुलाव, पकौड़ा, सेन्डविच, फल, सलाद, काढ़ा, तिल, लड्डू, छाँछ, जैम, कॉफी, सादा केक, भोजन योजना, गर्भवती महिला के लिए पौष्टिक पदार्थ का जोड़ । माँ और पाँच वर्ष के शिशु की सेवा-ऑफिस और मजदूर ।

●

NEW SYLLABUS

MAGADH UNIVERSITY
BODH GAYA

SYLLABUS

Courses of Study

For

B.A. PART–II

THREE YEAR INTEGRATED DEGREE COURSE FROM SESSION ON WARDS

नोट—NEW SYLLABUS पुनः परिवर्त्तन किया गया है।

Price : Rs. 10/-